Year	Profit (Rs./Crores)
1992-93	423.40
1992-93 (April to Sept., 1992) (Udaudited)	52.76
1993-94 (April to Sept., 1993) Unaudited)	62.47

Production of Blast Furnance in Rourkela Steel Plan

2219. SHRI GAYA SINGH: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the production of blast furnace has come down to below 50 percent during the last few months at Rourkela Steel Plant, Rourkela;

(b) whether it is also a fact that the rain water entered into blast furnaces No. 4. Due to the blast furnaces No. 4 and due to this no flushing system (Bypass system) could work and the production was stopped;

(c) whether it is also a fact that again in the rainy season water entered into rolling mill and production stopped resulting in loss of production and By-pass system was out of order; and

(d) if so, the details thereof and the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV). (a) No, Sir.

(b) The rain water did not enter into blast furnace No. 4. Due to the unprecedented heavy rains on 14-8-1993, the skip pits of blast furnaces were filled with water. The charging of the blast furnace No. 4. had to be suspended and the furnace was shut down. The furnace was re-started the next day after dewatering the skip pits.

(c) Due to the unprecedented heavy rains on 14.8.1993 water also entered into some of the underground cellars of the Rolling Mills and Sinter Pit of Hot Strip Mill. Consequently the production suffered in part of the Rolling Mills.

(d) The rain fall of 370 mm in the first three and a half hours was unprecedented in nature. The drainage system of the plant could not cope up with the heavy inflow of rain water since the same could not be discharged into the feeder drain as it was overflowing on account of the torrential rains. As a result, rain water started entering the underground locations. Pumps were pressed into service for dewatering, but their functioning was severely hampered on account of two successive power failures in Orissa State Electricity Baord (OSEB) Grid.

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के इस्पात संयंत्रों का वार्षिक बजट

2220. श्री गया सिंह : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के विभिन्न इस्पात संयंत्रों तथा उनकी कैप्टिव खानों के अगल-बगल स्थित गांवों के विकास के लिये शिक्षा, पेय जल, रोजगार आदि उपलब्ध कराने के लिये अलग-अलग इस्पात संयंत्र तथा कैप्टिव खान का वार्षिक बजट कितना है, और उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ख) कुटेश्वर स्थित खानों के अगल-बगल स्थित गांवों के विकास के लिये कुल बजट आवंटन कितना है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) वर्ष 1993-94 के लिये बाह्य विकास जिसमें परिवार नियोजन विशेष अभियान तथा अंशदान/दान आदि भी शामिल है, के लिये "सेल" के इस्पात संयंत्रों/इकाइयों का वार्षिक बजट 300 लाख रूपये है।

इसका विवरण निम्नलिखित है :--

(लाख/रूपयों में)

संयंत्र/इकाइयां	निधि का आवंटन
भिलाई इस्पात संयंत्र	25
बोकारो इस्पात संयंत्र	122
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	32
राउरकेला इस्पात संयंत्र	85
मिश्र इस्पात संयंत्र	5
सेलम इस्पात संयंत्र	6
आर.डी.सी.आई.एस	4
केन्द्रीय विपणन संगठन	4
कच्चा माल प्रभाग	15
केन्द्रीय कोल सप्लाई संगठन	2
कुल :	300

(ख) कुटेश्वर, (भावनापुर, सतना, तथा कुटेश्वर) खदानों के आस-पास के गांवों के विकास के लिये वर्ष 1993-94 में 2.00 लाख रूपये का बजटीय प्रावधान है।

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम और कुद्रेमुख के नवीकरण की योजना

2221. **श्री गया सिंह** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय खनिज विकास निगम और कुद्रेमुख के नवीकरण की कोई योजना है ;

(ख) यदि हां, तो कब से;

(ग) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम द्वारा वर्ष 1993-94 के दौरान निर्यात हेतु निर्धारित लक्ष्य क्या है ; और

(घ) अभी तक उक्त लक्ष्य का कितना प्रतिशत भाग पूरा किया जा चुका है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सतीश महर देव) : (क) और (ख) नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लि० तथा कुद्रेमुख आयरन और कम्पनी लि० के "नवीकरण" के लिये सरकार की कोई योजना नहीं है। तथापि, कम्पनियां समय-समय पर विस्तार/संशोधन तथा नई परियोजनाओं का कार्य करती रहती हैं। दोनों कम्पनियां लाभ कमा रही हैं।

(ग) और (घ) नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लि० द्वारा उत्पादित लौह अयस्क का निर्यात माध्यम अभिकरण खनिज तथा धातु व्यापार निगम के माध्यम से किया जाता है। एम० एम० टी० सी० और एन०एम०डी०सी० के बीच हुए करार के अनुसार 1993-94 के दौरान एन०एम०डी०सी० द्वारा एम०एम०टी०सी० के माध्यम से निर्यात के लिये 75.7 लाख वेट मीट्रिक टन लौह अयस्क दिया जाना है। इसके अनुपालन में 30-11-93 तक एन०एम०डी०सी० द्वारा निर्यात के लिये सविदानत मात्रा का लगभग 61% प्रतिशत प्रेषण कर दिया गया है।

Increase in input prices of Steel

2222. **SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA**: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether the steep input price increase has created trouble for the Steel Industry as reported in the 'Hindustan Times' dated 30th November, 1993;

(b) if so, whether Government have contemplated any efforts to put a check on the increase in input prices of steel; and